an>

Title: Regarding non-payment of land compensation to farmers in Himachal Pradesh by State Government.

श्री रामस्वरूप शर्मा (मंडी) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं आभारी हूँ माननीय भूतल परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी का जिन्होंने हिमाचल प्रदेश को 3 फोरलेन, 8 नेशनल हाईवे व सुरंगों के निर्माण हेतु धनराशि जारी की तथा फोरलेन, हाईवे, सुरंगों के काफी कार्य आरंभ हुए। इन निर्माण कार्यों से विस्थापित हो रहे प्रदेश के किसानों, बागवानों व विस्थापितों को 4 गुना मुआवज़ा देने की घोÂषणा की व राशि भी जारी कर दी है जिसके लिए पूरा प्रदेश माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व श्री नितिन गडकरी जी का आभारी है।

माननीय सभापति जी, इन निर्माण कार्यों से हज़ारों लोग विस्थापित हो रहे हैं। उनकी दुकानें, घर व अनमोल ज़मीनें उजड़ रही हैं, लेकिन हिमाचल की सरकार आँखें मूँदकर बैठी है व किसानों, बागवानों व विस्थापितों को 4 गुना मुआवज़ा नहीं दे रही है।

माननीय सभापति जी, आज़ादी मिलने के बाद भारत का जो नव निर्माण होना चाहिए था, वह 60 वÂर्षों के शासन के बाद कांग्रेस नहीं कर पाई। जब हमारी सरकार किसानों के हितार्थ भूमि अधिग्रहण अध्यादेश लाई तो कांग्रेस व इनके सहयोगी दलों ने संसद की कार्यवाही रोक दी। कांग्रेसी तथाकथित नेता कंधे पर हल लेकर प्रदर्शन करने लगे थे। माननीय सभापति महोदय, हिमाचल सरकार विस्थापितों को निर्धारित मुआवज़ा नहीं दे रही है। कांग्रेस व इनके सहयोगी दलों ने संसद रोककर जो ड्रामा किसानों के हितों के लिए किया था, अब उसकी पोल हिमाचल प्रदेश में खुल रही है। हिमाचल की सरकार प्रदेश के किसानों व बागवानों के साथ जो अन्याय कर रही है, मेरी आपसे विनती है कि ये तथाकथित नेता जो संसद रोककर किसानों के हित की बात करते थे, उन्हें हिमाचल प्रदेश भिजवाइए ताकि वहाँ जाकर धरना प्रदर्शन करें ताकि वीरभद्र सरकार किसानों को मुआवज़ा दे और चार गुना मुआवज़ा किसानों को मिल सके।

माननीय सभापति : कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री रामस्वरूप शर्मा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।